दैनिक नवज्योति Nagaur - 15 Jul 2021 - P

कविता शिवकिरण को महिला किसान बायोटेक फैलोशिप

मूण्डवा। निकटवर्ती बलाया गांव की कविता शिवकिरण को बायोटेक कृषि

इनोवेशन साइंस एप्लीकेशन नेटवर्क (बायोटेक किसान हब फॉर वेस्टर्न ड्राई रीजन) मिशन कार्यक्रम के तहत महिला किसान बायोटेक फैलोशिप के लिए चुना है। दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (एसएबीसी), जोधपुर और राष्ट्रीय बिजीय मसालों अनुसंधान केंद्र (एनआरसीएसएस), अजमेर द्वारा कार्यान्वित पश्चिमी शुष्क क्षेत्र के लिए डीबीटी बायोटेक किसान हब के तहत महिला किसान बायोटेक फैलोशिप के तहत 2021-22 के लिए 10,000/- रूपए प्रति माह की फैलोशिप राशि प्रदान की जाएगी। बलाया गांव में बुधवार को हुए सम्मान समारोह में कविता को यह सम्मान प्रदान किया गया। फैलोशिप से सम्मानित होने के पर कविता ने इसे महिलाओं का सम्मान बताया और भारत सरकार विज्ञान औरप्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग व दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (एसएबीसी), जोधपुर और (एनआरसीएसएस), अजमेर का आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. भागीरथ चौधरी ने कविता को बधाई देते हुए कहा कि कविता का चयन दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के अध्यक्ष डॉ. सीडी माई के नेतृत्व में चयन समिति ने किया। कविता का चयन रबी 2020 में जीरा के आईपीएम आधारित क्षेत्र प्रदर्शन के कार्यान्वयन में उसके प्रदर्शन और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना संचालन और इस संबंध में निगरानी समिति (पीएसएमसी) के सदस्यों के साथ बातचीत के आधार पर हुआ है। इस अवसर पर डॉ. भागीरथ चौधरी, डॉ. एस एस मीणा, डॉ. मुरलीधर मीणा, डॉ. नरेश व डॉ. संदीप आगले, साबूराम काला, अर्जुनराम, कोजाराम, नरपत, जयपाल व कविता शिवकिरण सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। इस मौके पर वैज्ञानिकों ने खेत में खडी चालीस दिन की कपास की फसल का निरीक्षण किया और फसलों पर कीट की समस्या का समाधान बताया। वैज्ञानिकों ने खेत की मिट्टी आदि के नमूने लिए और कपास माईट की समस्या के समाधान पर सलाह दी।

एक साल तक हर माह मिलेंगे 10 हजार रुपए

कविता को महिला किसान बायोटेक फैलोशिप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नागौर. जिले के बलाया गांव की

कविता

कविता शिवकरण को बायोटेक-कृषि इनोवेशन साइंस एप्लीकेशन नेटवर्क (बायोटेक किसान हब फॉर वेस्टर्न ड्राई रीजन) मिशन कार्यक्रम के तहत महिला किसान बायोटेक फैलोशिप के लिए चुना गया है। इसके तहत महिला कृषक को दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (एसएबीसी), जोधपुर और राष्ट्रीय बिजीय मसाला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीएसएस), अजमेर द्वारा कार्यान्वित पश्चिमी शुष्क क्षेत्र के लिए डीबीटी बायोटेक किसान हब के तहत वर्ष 2021-22 के लिए 10 हजार रुपए प्रति माह की फैलोशिप राशि प्रदान की जाएगी।

बलाया गांव में 14 जुलाई को आयोजित सम्मान समारोह में कविता को यह सम्मान प्रदान किया गया। फैलोशिप से सम्मानित होने पर कविता ने इसे महिलाओं का सम्मान बताया और भारत सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग व दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (एसएबीसी) जोधपुर और एनआरसीएसएस अजमेर का आभार जताया।

राजस्थान की पहली महिला बनी कविता

इस अवसर पर एसएबीसी जोधपुर के डॉ. भागीरथ चौधरी ने कविता को बधाई देते हुए कहा कि कविता का चयन दक्षिण एशिया जैव प्रौद्योगिकी केंद्र के अध्यक्ष डॉ. सीडी माई के नेतृत्व में चयन समिति ने किया। उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है कि राजस्थान की किसी महिला किसान को इस फैलोशिप के लिए चुना गया है। यह परियोजना किसानों को अच्छी फसल मिले, इसके लिए प्रशिक्षण का काम करती है, ताकि उन्हें अपनी फसल का ज्यादा से ज्यादा दाम मिल सके। कविता भी अब इसकी टीम के साथ मिलकर काम करेगी और अपने सर्किल के किसानों को प्रशिक्षित करेगी। कविता का चयन रबी-2020 में जीरा के आईपीएम आधारित क्षेत्र प्रदर्शन के कार्यान्वयन में उसके प्रदर्शन और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की परियोजना संचालन और इस संबंध में निगरानी समिति (पीएसएमसी) के सदस्यों के साथ बातचीत के आधार पर हुआ है।

ये भी रहे उपस्थित

सम्मान समारोह के दौरान डॉ. एसएस मीणा, डॉ. मुरलीधर मीणा, डॉ. नरेश व डॉ. संदीप आगले, कृषि अर्थशास्त्री डॉ. विकास पावड़िया आदि मौजूद रहे। बलाया के साबूराम काला, अर्जुनराम, कोजाराम, नरपत, जयपाल व शिवकरण सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। इस मौके पर वैज्ञानिकों ने खेत में खड़ी चालीस दिन की कपास की फसल का निरीक्षण किया और फसलों पर कीट की समस्या का समाधान बताया। वैज्ञानिकों ने खेत की मिटटी आदि के नमूने लिए और कपास माइट की समस्या के समाधान पर सलाह दी।